भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2755

मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

राजामुडी चावल के लिए जीआई टैग

2755. श्री श्रेयस एम .पटेल:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कर्नाटक के हासन जिले के राजामुडी चावल को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के अंतर्गत भौगोलिक संकेत (जीआई) के रूप में पंजीकरण किए जाने संबंधी कोई आवेदन अथवा प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हाँ, तो आवेदनकर्ता, आवेदन की तिथि, वर्तमान स्थिति तथा पंजीकरण में विलंब के कारणों सहित उक्त आवेदन का ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार द्वारा जीआई पंजीकरण के लिए राजामुडी चावल की विशिष्टता, ऐतिहासिक महत्व, पारंपरिक खेती पद्धतियों तथा उसकी वाणिज्यिक संभावनाओं का आकलन करने हेतु कोई अध्ययन किया गया है;

(घ) क्या सरकार का जीआई टैग प्राप्त करने तथा राजामुडी चावल को घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ावा देने के लिए किसानों, उत्पादक संगठनों, अनुसंधान संस्थानों अथवा कर्नाटक सरकार को तकनीकी अथवा वित्तीय सहायता प्रदान करने का कोई प्रस्ताव है; और

(ङ) हासन जिले में उत्पादित राजामुडी चावल के संरक्षण, संवर्धन, ब्रांडिंग तथा उसके बाजार मूल्य एवं निर्यात क्षमता में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख): भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री को कर्नाटक के हासन जिले में उगाए जाने वाले "राजामुडी चावल" के भौगोलिक संकेतक के पंजीकरण के लिए अभी तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग): उद्योग और वाणिज्य विभाग, कर्नाटक सरकार के अधीन विश्वेश्वरैया व्यापार संवर्धन केंद्र (वीटीपीसी) के कर्नाटक राज्य के लिए भौगोलिक संकेतकों हेतु नोडल एजेंसी होने के नाते, उनके द्वारा राजामुडी चावल के लिए भौगोलिक संकेतक आवेदन दाखिल करने की संभावना का आकलन करने के लिए रमैया

बौद्धिक संपदा अधिकार केंद्र (आरसीआईपीआर), बेंगलुरु के माध्यम से एक व्यवहार्यता अध्ययन करवाया है। इस अध्ययन में उत्पाद की विशिष्टता और पारंपरिक महत्व सहित जीआई पंजीकरण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जांच की गई।

इसके अलावा, कर्नाटक सरकार के कृषि विभाग ने देसी थाली स्कीम के तहत राजामुडी चावल को शामिल किया है, और उत्पाद पर वर्तमान में अपेक्षित वैज्ञानिक और तकनीकी डेटा सृजन करने के लिए कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु की देख-रेख में फील्ड परीक्षण किए जा रहे हैं।

(घ) और (ङ): सरकार ने कर्नाटक के उत्पादों सहित देश भर में भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग वाले उत्पादों के विनिर्माण, विपणन, बिक्री और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। इन पहलों और स्कीमों को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कर्नाटक में जीआई उत्पादकों को भी अन्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के उत्पादकों के समान ही लाभ प्राप्त हों। सरकार द्वारा किए गए ऐसे उपायों का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

*****

अनुबंध-I

दिनांक 04 अगस्त, 2026 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या 2755 के उत्तर के भाग (घ) और (ङ) में उल्लिखित अनुबंध

i. **जीआई पंजीकरण की सुविधा:** जीआई रजिस्ट्री जीआई पंजीकरण प्रक्रिया के दौरा आवेदक संघों और अधिकृत निकायों को निरंतर सहायता प्रदान करती है, जिसमें आवेदनों में पाई गई कमियों को दूर करने और माल का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में सहायता शामिल है। इसके अलावा, दिनांक 03.11.2025 की अधिसूचना के अनुसार, जीआई आवेदन दायर करने और संबंधित कार्यवाही के लिए देय शुल्क को 80 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है, जिससे कारीगरों, किसानों, उत्पादक संगठनों और पारंपरिक समुदायों के लिए जीआई संरक्षण अधिक किफायती हो गया है।

ii. **एमएसएमई नवोन्मेषी स्कीम के तहत सहायता**: एमएसएमई नवोन्मेषी स्कीम के बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) घटक के तहत, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भौगोलिक संकेतक सहित बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित परामर्श सेवाएं प्रदान करता है तथा बौद्धिक संपदा सुविधा और जागरूकता कार्यक्रम संचालित करता है। यह स्कीम एक जीआई के पंजीकरण के लिए किए गए वास्तविक व्यय के 100 प्रतिशत की, प्रति पंजीकृत जीआई 2 लाख रुपए की अधिकतम सीमा के अध्यधीन, प्रतिपूर्ति प्रदान करती है, जिसमें पेशेवर शुल्क, सरकारी शुल्क, आवेदन तैयार करने, अभियोजन, सुनवाई, जीआई लोगो डिजाइन, प्रयोगशाला परीक्षण और अन्य आकस्मिक व्यय शामिल हैं। आवेदकों को बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्रों (आईपीएफसी) के माध्यम से भी एंड-टु-एंड सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा, इस मंत्रालय ने अधिकृत जीआई उपयोगकर्ताओं को बाजार पहुंच प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों में 25 जीआई महोत्सवों का आयोजन किया है, एक जिला एक जीआई (ओडी-ओजीआई) पहल के तहत, 164 कार्यक्रमों को अनुमोदन प्रदान किया है, तथा निर्यात बढ़ाने और जीआई उत्पादों की वैश्विक दृश्यता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में जीआई उत्पादकों की भागीदारी को सुगम बनाया है।

iii. **डीपीआईआईटी द्वारा बाजार पहुंच और प्रचार-प्रसार**: डीपीआईआईटी ने जीआई उत्पादों की दृश्यता और विपणन क्षमता बढ़ाने के लिए इंडिया जीआई मेला, जीआई महोत्सव, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में जीआई पविलियन, आहार में भागीदारी, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, वर्ल्ड फूड इंडिया, जनजातीय व्यापार सम्मेलन और

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों जैसे ऑटम फेयर (यूनाइटेड किंगडम) तथा बाज़ार बर्लिन (जर्मनी) के आयोजन सहित कई पहलें की हैं। वृत्तचित्रों, टेलीविजन कैंपेन, नैशनल ज्योग्राफिक, हिस्ट्री टीवी18, मास्टरशेफ इंडिया, सोशल मीडिया अभियानों, हवाई अड्डे और दिल्ली मेट्रो ब्रांडिंग, जीआई समागम, जीआई कैटेलिस्ट समिट और भारत एआई इंपैक्ट समिट 2026 के दौरान जीआई उत्पादों के प्रचार के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित की गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य जीआई टैग वाले उत्पादों के बारे में जागरूकता, ब्रांडिंग, बाजार पहुंच और निर्यात क्षमता में सुधार करना है।

विभिन्न प्रचार-प्रसार संबंधी पहलें और स्कीमें पूरे देश में समान रूप से लागू की जाती हैं और कर्नाटक के जीआई उत्पादक भी इन स्कीमों और प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यक्रमों के तहत प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए, अन्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के उत्पादकों के समान पात्र हैं। इनका विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**पहल**	**विवरण**
2022-23	इंडिया जीआई फेयर (26-28 अगस्त, 2022)	जीआई उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन के लिए इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
	जीआई महोत्सव (16-21 अक्टूबर, 2022)	जीआई हितधारकों के लिए ज्ञान सत्र सहित व्यापार सुविधा केंद्र, वाराणसी में सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
	एक्सक्लुसिव जीआई पवेलियन (आईआईटीएफ 2022)	भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, प्रगति मैदान में समर्पित जीआई पविलियन स्थापित किया गया।
	प्रचार-प्रसार संबंधी वीडियो	भारतीय जीआई उत्पादों पर प्रचार-प्रसार फिल्में हिस्ट्री टीवी18 नेटवर्क के माध्यम से तैयार की गईं और प्रसारित की गईं।
	सोशल मीडिया अभियान	जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए " गिफ्ट ए जीआई ", "जीआई स्पॉट" और अन्य जागरूकता अभियान चलाए गए।
	आहार-2023 में जीआई पवेलियन	आहार -2023 में कारीगरों और उद्यमियों की भागीदारी के साथ 55 जीआई उत्पादों का प्रदर्शन करने वाला समर्पित जीआई पविलियन।
2023-24	राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ संलग्नता	राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा जीआई उत्पादकों के लिए क्षमता निर्माण, जागरूकता सृजन और हैंडहोल्डिंग सहायता।
	ईपीसीएच जीआई फेयर 2023	जीआई इंडिया।
	रेडियो मिर्ची अभियान	एफएम रेडियो के माध्यम से जीआई उत्पादों का पंद्रह दिवसीय राष्ट्रव्यापी प्रचार।
	यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो	यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो में जीआई उत्पादों का प्रचार और प्रदर्शन।
	जीआई महोत्सव, श्रीनगर	श्रीनगर में सप्ताह भर चलने वाले प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

	जीआई स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज	जीआई ईकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने हेतु पहचान करने के लिए स्टार्टअप इंडिया पहल।
	इंडिया टुडे अभियान	व्यापक पहुंच और जागरूकता बढ़ाने के लिए जीआई से संबंधित लेखों का प्रकाशन।
	नेशनल ज्योग्राफिक अभियान	भारत और सार्क देशों में जीआई टैग वाले उत्पादों पर वृत्तचित्र फिल्मों का निर्माण और प्रसारण।
	अंतर्राष्ट्रीय हैकथॉन	डब्ल्यूबीएनयूजेएस द्वारा भौगोलिक संकेतक और पारंपरिक ज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और हैकथॉन का आयोजन किया गया।
2024-25	जीआई कैटलिस्ट समिट	अभिसरण और सहयोग के माध्यम से भारत के जीआई ईकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने हेतु राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन।
	एयरलाइंस के माध्यम से प्रचार	प्रमुख एयरलाइनों की उड़ान के दौरान दी जाने वाली पत्रिकाओं में जीआई उत्पादों पर लेख प्रकाशित किए गए।
	आउटलुक "वेड्स इन इंडिया" अभियान	डिजिटल और प्रिंट प्लेटफॉर्म के माध्यम से जीआई उत्पादों का डाक्युमेंट्री-आधारित प्रचार।
	ऑटम फेयर इंटरनेशनल, बर्मिंघम	जीआई उत्पादकों की भागीदारी और लाइव प्रदर्शन के साथ भारतीय जीआई पविलियन।
	बाज़ार बर्लिन 2024	जर्मनी में भारतीय जीआई उत्पादों का प्रदर्शन और प्रचार।
	नेशनल ज्योग्राफिक (सीजन-II)	जीआई उत्पादों और उद्यमियों की सफलता की कहानियों को प्रदर्शित करते हुए वृत्तचित्र।
	मास्टरशेफ इंडिया सीजन-9	व्यापक जन पहुंच के लिए टेलीविजन कार्यक्रम के साथ जीआई उत्पादों का एकीकरण।
	दिल्ली मेट्रो अभियान	मेट्रो कोच के अंदर डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार।
	हवाई अड्डा प्रचार	प्रमुख हवाई अड्डों पर डिजिटल डिस्प्ले और विज्ञापनों के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार।
	दिल्ली हवाई अड्डे पर जीआई स्टोर	केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम लिमिटेड के सहयोग से जीआई उत्पादों के लिए समर्पित खुदरा दुकानों की स्थापना की गई।
	जीआई समागम	जीआई ईकोसिस्टम के नीति निर्माताओं, उत्पादकों, कारीगरों और अन्य हितधारकों को एक साथ लाने वाला राष्ट्रीय मंच।
2025-26	दिल्ली मेट्रो अभियान	ट्रेन रैपिंग, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड और आंतरिक विज्ञापनों के माध्यम से प्रचार।
	हवाई अड्डा प्रचार	प्रमुख हवाई अड्डों पर डिजिटल स्क्रीन, डिस्प्ले बोर्ड और कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से प्रचार।
	आयोजनों में प्रचार	वर्ल्ड फूड इंडिया-2025 और ट्राइबल बिजनेस कॉन्क्लेव-2025 में जीआई उत्पादों का प्रचार।

	सोशल मीडिया अभियान	सभी स्तरों पर जीआई उत्पादों की दृश्यता और पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के सहयोग से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित लघु और दीर्घ प्रारूप वीडियो के माध्यम से जीआई उत्पादों का प्रचार।
	भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026	अनुभवजन्य विपणन, टेस्टिंग सेशन और डिजिटल पहुंच के माध्यम से "भारत जीआई कॉफी" को बढ़ावा देना।

*****